हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार, 28 जुलाई 2025

तापमान

अधिकतम 35 .0 डिग्री
न्यूनतम 22 .5 डिग्री

11 परीक्षार्थियों के लिए वरदान बनी ईआरवी महिला परीक्षार्थी को केंद्र पहुंचाया, एक का आधार कार्ड पहुंचाया

12 हरियाली तीज पर युवाओं ने की जमकर पतंगबाजी, महिलाओं ने झूलों पर गाएं सावन के मंगल गीत

खबर संक्षेप

ट्रेन से कटकर महिला की मौत

रेवाड़ी। दिल्ली रेल मार्ग पर रविवार सुबह ट्रेन से कटकर एक महिला की मौत हो गई। जीआरपी के अनुसार सुबह के समय करीब 30 साल की एक महिला नया गांव मंदिर के पास झज्जर रेल लाइन फाटक के करीब ट्रेन की चपेट में आ गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जीआरपी ने आसपास के गांवों में सूचना भेजकर मृतका की पहचान कराने का प्रयास किया, परंतु सफलता नहीं मिली। पहचान के लिए शव को सामान्य अस्पताल के शव गृह में रखवा दिया। समाचार लिखे जाने तक मृतका की पहचान नहीं हुई थी।

हादसों का सबब बन रहा गड्ढा

रेवाड़ी। महेंद्रगढ़ रोड पर बाइपास फ्लाईओवर के नीचे बरसात के बाद सड़क पर गहरा गड्ढा बन गया है, जिससे हादसों की आशंका बनी रहती है। दीपक, परीक्षित, अनमोल व तुषार आदि ने बताया कि बाइपास के सर्विस रोड पर शुरू में ही बरसात के कारण गहरा गड्ढा बन गया है। इसमें बरसात का पानी भरा रहता है, जिससे वाहन चालकों को गड्ढा दिखाई नहीं देता। इससे हादसों की आशंका बनी रहती है। लोगों ने एचएसआरडीसी से सर्विस रोड की मरम्मत कराने की मांग की है।

पूर्व राष्ट्रपति का भावपूर्ण स्मरण

रेवाड़ी। सामाजिक संस्था अभिनव भारत ने रविवार को पूर्व राष्टपति एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर संस्था के संयोजक राकेश कुमार ने कहा कि कलाम ने आर्थिक रूप से कमजोर परिवार में जन्म लेने के बावजूद अपनी मेहनत के बल पर शिक्षा ग्रहण करते हुए विज्ञान के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की। उन्हें मिसाइल मैन के रूप में जाना जाने लगा। राष्टपति के पद पर रहते हुए उन्होंने देशहित में समर्पित भाव से कार्य किया।

गेट पर गड्ढा लोगों के लिए आफत

रेवाड़ी। भाड़ावास गेट पर बारिश के बाद बना बड़ा गड्ढा लोगों के लिए आफत बना हुआ है। दुकानदार अजीत, शंभुदयाल, रविंद्र, विनय और विकास आदि ने बताया कि गेट के पास बारिश के बाद बड़ा गड्ढा बन गया है। बारिश में पानी एकत्रित होने के कारण गड्ढा दिखाई नहीं देता, जिससे दुपहिया वाहन चालक हादसों का शिकार बन जाते हैं। नगर परिषद की ओर से अभी तक सड़क ठीक नहीं कराई गई है। उन्होंने मांग की है कि सड़क की बदहाल स्थिति को तुरंत ठीक कराया जाए।

कार की टक्कर से बाइक चालक घायल

बावल। टांकड़ी मोड़ के पास कार की चपेट में आने से एक बाइक चालक घायल हो गया। पुलिस बयान में बरसोआ निवासी दीपक ने बताया कि वह बाइक लेकर किसी काम से रेवाड़ी जा रहा था। टांकड़ी मोड़ के पास एक कार चालक ने सड़क किनारे चल रहे युवक को टक्कर मारने के बाद उसकी बाइक को साइड मार दी। इससे वह बाइक से गिरकर घायल हो गया। आसपास के लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद कार चालक की तलाश शुरू कर दी।

हादसे का आरोपी वाहन चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। करनावास के निकट 12 जुलाई को सड़क हादसे को अंजाम देने के बाद फरार हुए बस चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। ट्रैवल बस ने चिल्हड़ निवासी मुकेश कुमार की बाइक को टक्कर मार दी थी। वह बाइक लेकर कंपनी जा रहा था।हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। बस चालक मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद बस चालक की तलाश शुरू की थी। पुलिस ने बावल निवासी कबूल सिंह को इस मामले में गिरफ्तार करने के बाद पुलिस बेल पर छोड़ दिया।

सीईटी में बैठने वाले युवाओं के लिए पहली बार बेहतर व्यवस्था

सत्तर हजार अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा, इंतजाम के एग्जाम में प्रशासन पास, वाहवाही लूट गई नायब सरकार

- रोडवेज से लेकर पुलिस-प्रशासन प्रबंधों की कसौटी पर उतरे खरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग की ओर से परीक्षाओं का आयोजन पूर्व में भी कराया जाता रहा है। परीक्षाओं के दौरान अभ्यर्थियों को काफी परेशानियों का सामना भी करना पड़ता है, परंतु इस बार सीईटी के सफल व सुविधाजनक आयोजन ने नायब सरकार को वाहवाही का पात्र बना दिया। पुलिस-प्रशासन से लेकर दूसरे विभागों ने भी जिस तरह से अभ्यर्थियों को सुविधाएं मुहैया कराई, उनसे परीक्षा देने वाले युवा काफी खुश नजर आए। अभ्यर्थियों ने पहली बार प्रशासन से लेकर सरकार तक की खुलकर सराहना करने में कोई कंजूसी नहीं बरती। आयोग की ओर से समय-समय पर इस तरह की परीक्षाओं को आयोजन कराया जाता है। सरकार कई बार परीक्षार्थियों को मुफ्त बस सेवा की सुविधा भी मुहैया कराती है, लेकिन मुफ्त का सफर भी युवाओं के लिए मुसीबत साबित होता रहा है। स्पेशल बसें भी चलाई जाती हैं, परंतु इन बसों को बस स्टैंड से बस स्टैंड तक ही सीमित रखा जाता रहा है। पहली बार ऐसा हुआ है कि अभ्यर्थियों को घर के पास से ही बस सुविधा देकर उन्हें परीक्षा केंद्रों तक मुफ्त पहुंचाया और वापस घर के पास छोड़ा गया है। यह सब ऐसे सुनियोजित तरीके से किया गया कि अभ्यर्थियों को यात्रा के दौरान तो किसी तरह की परेशानी आई ही नहीं, उन्हें सेंटर तलाशने में भी कोई असुविधा नहीं हुई। कर्मचारी चयन आयोग का कार्य रोल नंबर से लेकर सेंटर अलॉट करने तक का रहा, परंतु सीएम नायब सिंह सैनी के निर्देश पर जिला प्रशासन ने शेष कार्य को आसानी से पूरा कर दिया। ऐसा पहली बार हुआ है कि परीक्षा देने वाले युवा सरकार और प्रशासन को

कोंसने की बजाय उनकी खुलकर तारीफ करते नजर आए हैं।

अहीर कॉलेज से सीईटी देकर निकलते अभ्यर्थी।

परीक्षा केंद्र का जायजा लेते डीसी व एसपी।

अच्छा पेपर होने की खुशी.. गर्ल्स स्कूल के परीक्षा केंद्र से निकलते परीक्षार्थी।

परीक्षा के लिए बस में रवाना होते अभ्यर्थी।

पुलिसकर्मियों ने जमकर बहाया पसीना

एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने परीक्षार्थियों के घर से चलने से लेकर परीक्षा केंद्र पहुंचने तक के दौरान की व्यवस्था का सुचारू बनाने के लिए कड़ी एक्सरसाइज पहले से ही शुरू कर दी थी। इसके लिए पुलिसकर्मियों की तैनाती भी व्यवस्थित तरीके से की गई। बेहतर इंतजामों की बदौलत पुलिस ने न सिर्फ परीक्षा का शांतिपूर्ण ढंग से आयोजन कराया, बल्कि वाहनों के बढ़ते दबाव के चलते ट्रैफिक जाम जैसी समस्या भी पैदा नहीं होने दी। पहली बार परीक्षा के दिन लंबे समय तक जाम जैसे हालात नहीं बने।

दो दिन में चार शिफ्टों में 69423 ने दी परीक्षा

रविवार को दूसरे दिन सुबह के सत्र में 18355 में से 17345 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी,जबकि 1010 अनुपस्थित थे तथा शाम के सत्र में 18355 में से 17406 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी,जबकि 949 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। दोनों सत्रों में 36710 अभ्यर्थियों में से 34751 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी व 1959 अभ्यर्थी अनुपस्थित थे। जिले में शनिवार व रविवार को चार शिफ्टों में 73420 अभ्यर्थियों में से 69423 अभ्यर्थियों ने सीईटी दी, जबकि 3977 अभ्यर्थी गैर हाजिर रहे।

रोडवेज विभाग ने निभाई पूरी जिम्मेदारी

रोडवेज विभाग की ओर से अभ्यर्थियों को उनके घर के पास से लेकर सेंटरों तक पहुंचाने के लिए सराहनीय व्यवस्था की। जीएम प्रदीप कुमार के निर्देश पर पिकअप सेंटर बनाने के साथ-साथ पिडाउन सेंटरों से परीक्षा केंद्रों तक शटल बस सेवाओं की कुशल व्यवस्था की गई। विभाग की ओर से इस तरह की व्यवस्था की गई थी कि अगर किसी जगह कोई बस ब्रेकडाउन हो जाए, तो उसके स्थान पर दूसरी बस तुरंत रवाना की जाए। बेहतर सेवाओं की बदौलत ने विभाग ने खूब सराहना हासिल की।

महेंद्रगढ़ से आए परीक्षार्थियों ने जताई खुशी

सीईटी के लिए रविवार को महेंद्रगढ़ जिले से परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे परीक्षार्थियों को प्रशासन की ओर से बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई गई। परीक्षार्थियों ने जिला प्रशासन व प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया। गांव गढ़ी की छात्रा प्रियंका और गांव मंडोला के छात्र अमर ने बताया कि सरकार ने बहुत अच्छा प्रबंध किया। जो छात्र अकेले परीक्षा देने पहुंचे थे और उनके साथ कोई परिजन नहीं था, उनके बैग रखने की भी समुचित व्यवस्था की गई थी। उन्होंने कहा कि ऐसी सुविधाएं परीक्षा के दिन तनाव कम करती हैं और आत्मविश्वास बढ़ाती हैं।

आटीए ने एक सप्ताह पहले की तैयारी

रोडवेज विभाग के पास इतनी बसें उपलब्ध नहीं हैं कि वह अपने स्तर पर हजारों परीक्षार्थियों को केंद्रों तक पहुंचाने में सक्षम हों। सरकार के निर्देश पर आरटीए सचिवों को बसों की कमी पूरी करनी थी। इसके लिए आरटीए स्टाफ ने एक सप्ताह पहले ही सहकारी समितियों की बसों से लेकर प्राइवेट स्कूलों की बसों तक को सीईटी के लिए बाउंड कर दिया था। आरटीए की ओर से लगभग 700 बसों की व्यवस्था की गई थी, जिस कारण किसी भी स्तर पर बसों की कमी नहीं रही।

'आया सावन बड़ा मन भावन, रिमझिम की पड़े फुहार राधा झूल रही कान्हा संग बागों में आई बहार'..

रेवाड़ी। रविवार को हरियाली तीज का पावन पर्व उत्साह व उमंग के साथ हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। महिलाओं ने झूलों पर मंगल गीत गाएं तो बच्चों और युवाओं ने जमकर पतंगबाजी की। महिलाओं और युवतियों ने 'लाइए जीजी लाइए सासू का नाक तोड़ के और दूंगी झोटा मैं इबके थोड़ी जोर तै' तथा 'आया सावन बड़ा मन भावन, रिमझिम की पड़े फुहार, राधा झूल रही कान्हा संग बागों में आई बहार' सहित अनेक मंगल गीतों पर झूले पर पींग बढ़ाई और शाम को कटींली झाड़ियों में बिरवे यानि चने बोने के साथ अपने सुहाग की मंगलकामना की।

रेवाड़ी। तीज के पर्व पर कालूवास रोड पर झूला झूलते हुए रितू नांदल व अन्य युवतियां।

अध्यात्मिक गुरू स्वामी युगलशरण का किया अभिनंदन

- अध्यात्मिक गुरू डा. स्वामी युगल शरण ने दोनों अतिथियों को पटका पहनाकर आशीर्वाद दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में चल रहे आनंद ही जीवन का लक्ष्य कार्यक्रम में वरिष्ठ दंत चिकित्सक डा. मधुसूदन शर्मा तथा उनके पुत्र बाल कलाकार अयान शर्मा ने विद्वान संत डा. स्वामी युगल शरण महाराज का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। अध्यात्मिक गुरू डा. स्वामी युगल शरण ने दोनों अतिथियों को पटका पहनाकर आशीर्वाद दिया। इस मौके पर डा. मधुसूदन शर्मा ने कहा कि जिलावासियों का बहुत बड़ा सौभाग्य है कि उन्हें महान विचारक, अद्वितीय समन्वयात्मक एवं महान संत डा. स्वामी युगलशरण जैसे विद्वान के उपदेशों को सुनने का अवसर मिला है। निश्चित रूप से यह आयोजन आध्यात्मिक दृष्टि से जिले के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। रेवाड़ी एक ऐतिहासिक व धार्मिक नगरी है। यहां समय-समय पर संतों का आगमन निरंतर लगा रहा है। डा. स्वामी युगलशरण ने कहा कि रेवाड़ी के लोग बहुत धार्मिक है तथा उन्हें और अधिक धार्मिक ज्ञान अर्जित करने की जिज्ञासा रहती है। उन्होंने अद्वितीय समन्वयात्मक विलक्षण धारावाहिक दार्शनिक प्रवचन के आयोजकों की भी सराहना करते हुए कहा कि कार्यक्रम को लेकर जिले के लोगों में काफी उत्साह दिखाई दे रहा है।

रेवाड़ी। स्वामी युगलशरण के साथ वरिष्ठ चिकित्सक। फोटो :हरिभूमि

कई इलाकों में बूंदाबांदी के बाद बढ़ी उमस, आज से झमाझम बारिश होने की संभावना

बिना बरसे ही लौट रहीं सावन की घटाएं, गर्मी ने जमकर सताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

आधे से ज्यादा सावन बीत चुका है। शुरूआत में अच्छी बारिश भी हो चुकी है। अब कई दिनों से बारिश नहीं होने के कारण भारी गर्मी का प्रकोप बना हुआ है। आसमान में सावन की काली घटाएं तो छा जाती हैं, परंतु बिना बरसे ही लौट जाती हैं। कहीं-कहीं होने वाली बूंदाबांदी उमस बढ़ाकर पसीना छुड़ाने का काम करती है। सप्ताह के शुरू में एक बार फिर झमाझम बारिश की संभावना जताई जा रही है। रविवार को सुबह के समय आसमान में बादल छाए रहे। कुछ इलाकों में फुहारें भी गिरीं। बाद में आसमान साफ हो गया। दोपहर तक तेज धूप खिली रही, जिससे उमस भरी गर्मी ने लोगों को जमकर परेशान किया। अधिकतम तापमान 2.0 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 35.0 डिग्री पर पहुंच गया। न्यूनतम तापमान भी इतनी ही वृद्धि के साथ 22.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 68 प्रतिशत तक रहने के कारण वातावरण में नमी व सूरज की तपिश ने उमस पैदा कर दी। दोपहर बाद तक उमस भरी गर्मी का प्रकोप इस कदर लोगों को परेशान करता रहा कि कूलर-पंखों की हवा में भी पसीने नहीं सूखे। लोग शाम तक पसीने में तर-बतर होते रहे। शाम को एक बार फिर आसमान में बादल गहराने से मौसम का मिजाज ठंडा पड़ गया। बूंदाबांदी की संभावना भी बन गई। मौसम विभाग के अनुसार 26 जुलाई से तीन-चार दिन तक रुक-रुककर अलग-अलग इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। लगभग एक सप्ताह तक मौसम इसी तरह का बना रह सकता है। इस दौरान अच्छी बारिश की भी संभावना है।

रेवाड़ी। कपास की फसल में फव्वारे से होती सिंचाई। फोटो :हरिभूमि

बिजली की खपत में होने लगा इजाफा

बीते सप्ताह अच्छी बारिश होने के बाद बिजली की खपत में कमी आ गई थी। गर्मी बढ़ने के कारण एक बार फिर से बिजली की मांग बढ़ने लगी है। इस समय बिजली की दैनिक खपत 75 लाख यूनिट के आसपास पहुंच गई। आपूर्ति पर्याप्त होने के कारण अभी पावर कटों से राहत मिली हुई है। कृषि क्षेत्र में भी बिजली की मांग बढ़नी शुरू हो गई है। कुछ दिनों से बारिश नहीं होने के कारण किसानों ने नलकूपों से फसलों की सिंचाई शुरू कर दी है।

बाल भवन में जिला परिवेदना समिति की बैठक आज

रेवाड़ी। जिले के नागरिकों की शिकायतों का निवारण करने के लिए जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की मासिक बैठक 28 जुलाई को दोपहर 3 बजे बाल भवन स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित होगी। बैठक की अध्यक्षता हरियाणा के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, शहरी स्थानीय निकाय और नागरिक उड्डयन मंत्री विपुल गोयल करेंगे। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 12 परिवादों की सुनवाई की जाएगी, जिनमें 8 नए व 4 लंबित परिवाद शामिल हैं। उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों को निर्धारित समय पर रिपोर्ट सहित बैठक में पहुंचने के निर्देश दिए हैं।

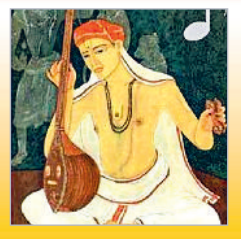

रागों के नाम पर गांव

हरियाणा में राग परंपरा, जिसे लोकगीतों के रूप में भी जाना जाता है, का एक समृद्ध इतिहास है। यहां तक कि कस्बों के नाम भी पारंपरिक रागों से लिए गए हैं। दादरी तहसील में कई बस्तियों के नाम प्रसिद्ध रागों से जुड़े हैं। इनमें नंदयम, सारंगपुर, बिलावाला, बृंदाबाना, टोडी, असावेरी, जयश्री, मलकोष्णा, हिंडोला, भैरवी और गोपी कल्याण आदि शामिल हैं। वहीं, जींद जिले में जय जय वंती, मालवी और अन्य संस्थाएं पाई जा सकती हैं।

प्रदेश की प्राचीन गायन परम्परा में शुमार हैं

डेरु, रागनी, बारहमासा और आल्हा गीत

हरियाणा के खेतों, चौपालों, मेलों और धार्मिक आयोजनों में आज भी जो स्वर गूंजते हैं, वे केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अस्मिता के संवाहक हैं। इन स्वरों में डेरु की गूंज है, रागनी का सवाल-जवाब है, बारहमासा की विरह-व्यथा है, और आल्हा की वीरता है।

हरियाणा की गायन परंपराएं केवल बीते समय की गाथाएं नहीं हैं, वे आज भी जीवित हैं, खेतों में, चौपालों में, और हरियाणवी दिलों में। डेरु, बारहमासा, आल्हा और रागनी, ये चार स्तंभ हमारी लोक संस्कृति के प्रहरी हैं। इन्हें संजोकर रखना केवल कलाकारों की नहीं, हर हरियाणवी की जिम्मेदारी है।

कला-संस्कृति

प्रियंका सौरभ

हरियाणा प्रदेश की माटी में केवल अनाज ही नहीं उगता बल्कि लोकगीतों की मिठास और वीरता की कहानियां भी उपजती हैं। यहां के खेतों, चौपालों, मेलों और धार्मिक आयोजनों में आज भी जो स्वर गूंजते हैं, वे केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अस्मिता के संवाहक हैं। इन स्वरों में डेरु की गूंज है, रागनी का सवाल-जवाब है, बारहमासा की विरह-व्यथा है, और आल्हा की वीरता है।

डेरु : हरियाणा की सबसे प्राचीन और मौलिक गायन विधा मानी जाती है डेरू। यह एक छोटा-सा वाद्य यंत्र है, जो डमरू के समान होता है, परंतु इसका उपयोग केवल ताल देने में नहीं, बल्कि पूरी गायन शैली के रूप में होता है।

डेरु गायन में कलाकार एकल प्रस्तुति देता है। यह गायन मुख्यतः वीर गाथाओं, संत-महात्माओं की कहानियों या धार्मिक प्रसंगों पर आधारित होता है। वाद्य यंत्र के रूप में केवल डेरु और कभी-कभी ढोलक का उपयोग होता है। यह गायन प्रेरणा, श्रद्धा और जनजागरण का माध्यम होता है। लोकप्रिय डेरु गायकों में 'बल्ली सिंह बल', 'कंवर पाल डेरुवाले' जैसे नाम प्रसिद्ध रहे हैं। आज भी कई गांवों में बुजुर्ग लोग डेरु के माध्यम से रामायण, महाभारत, और लोक देवताओं की कहानियां गाते हैं।

बारहमासा : बारहमासा प्रदेश के लोकसाहित्य की वह भावनात्मक धारा है, जिसमें स्त्री के मन की पीड़ा, ऋतुओं का प्रभाव और प्रेम का रस गहराई से मिलता है। 'बारहमासा' शब्द का अर्थ ही है , बारह मासों में गाया गया गीत। नायिका की विरह-व्यथा ऋतु परिवर्तन के साथ गहराती जाती है। इसमें श्रृंगार, करुण, और शांत रस की प्रधानता होती है। फागुन में प्रेम की प्यास, जेठ में तपिश, सावन में मिलन की आशा, ये भाव पूरे गीत में बहते हैं। बारहमासा गीतों में प्राकृतिक और सामाजिक परिवेश का सुंदर चित्रण होता है। एक लोकप्रिय बारहमासा पंक्ति है :

फागण मास सुहावो लागे, पिया न आयो घर
मनवा मोरा रोवे, जैसे चातक निर्झर...

यह शैली आज भी लोकनाट्य, हरियाणवी फिल्मों और तीज-त्योहारों में जीवंत रूप में गाई जाती है।

आल्हा गीत : हरियाणा की धरती केवल भावनाओं की नहीं, वीरता की भी परिचायक है। यहां के लोकगीतों में तलवारें गूंजती हैं और ढालें टकराती हैं। आल्हा गायन उसी वीर परंपरा का हिस्सा है। आल्हा गीत मूलतः बुंदेलखंड की वीरगाथा परंपरा से उत्पन्न हुए। लेकिन समय के साथ ये गीत हरियाणा, पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक फैल गए। हरियाणा में गांव के मेलों, अखाड़ों और युद्ध-कला प्रदर्शनों में ये गीत खूब गाए जाते हैं।

वीरता, बलिदान और साहस की कहानियां, विशेष रूप से आल्हा और ऊदल की, आल्हा गायन में सम्मिलित होती हैं। इसकी प्रस्तुति तेज लय और ऊर्जावान होती है। सामूहिक गायन में ढोलक, नगाड़ा और अन्य वाद्ययंत्रों के साथ यह प्रस्तुत किया जाता है। यह युवाओं में साहस और देशभक्ति का संचार करता है। कई आल्हा गायकों ने इसे आधुनिक मंचों तक पहुंचाया, लेकिन यह अब भी ग्रामीण हरियाणा की मूल पहचान बना हुआ है।

रागनी : हरियाणा की गायन परंपरा में अगर किसी शैली को सबसे अधिक जनप्रियता मिली है, तो वह है रागनी। यह केवल गीत नहीं, एक लोकनाट्य शैली है जिसमें प्रश्नोत्तर, तर्क, हास्य, और व्यंग्य शामिल होते हैं। रागनी में संवादात्मक शैली होती है, गायक दो भागों में बंटते हैं। एक सवाल पूछता है, दूसरा जवाब देता है। इसके विषय होते हैं सामाजिक विडंबनाएं, धर्म, नैतिकता, राजनीति, नारी सम्मान, शिक्षा आदि। इसकी प्रस्तुति मेलों, मंचों और प्रतियोगिताओं में होती है। रागनी में ढोलक, सारंगी, बैंजो आदि वाद्ययंत्रों का प्रयोग होता है। कुछ लोकप्रिय रागनियां हैं :

'धरती कहे पुकार के, बेटा मुझे बचा ले' और 'गांव की छोरी दिल्ली चली, शहर की चाल में फंस गई भली'। रागनी प्रतियोगिताएं हरियाणा में आज भी हज़ारों की भीड़ खींचती हैं। यह परंपरा समाज को आईना दिखाने का भी काम करती हैं। इन चारों गायन विधाओं को केवल मनोरंजन समझना भूल होगी। यह हरियाणा की सामूहिक चेतना, मूल्य-व्यवस्था और सामाजिक संवाद का सशक्त रूप हैं। जब एक किसान फसल की बुवाई करते हुए डेरु गाता है, जब एक युवती बारहमासा में पिया को याद करती है, जब अखाड़े में वीर आल्हा गूंजता है, या जब रागनी में व्यवस्था पर व्यंग्य किया जाता है, तब हरियाणा की आत्मा बोलती है। आज जब सोशल मीडिया और फिल्मों के शोर में लोक संस्कृति का स्वर दब रहा है, तब यह ज़रूरी है कि हम इन गायन शैलियों को बचाएं और बढ़ाएं। सरकार और सांस्कृतिक संस्थाओं को चाहिए कि वे ग्राम स्तर पर लोकगायन कार्यशालाएं शुरू करें, रागनी और डेरु प्रतियोगिताओं को राज्यस्तरीय पहचान दें, बारहमासा और आल्हा गायकों को मंच और सम्मान दें, और लोक कलाकारों को आर्थिक सहयोग प्रदान करें।

हरियाणा की गायन परंपराएं केवल बीते समय की गाथाएं नहीं हैं, वे आज भी जीवित हैं, खेतों में, चौपालों में, और हरियाणवी दिलों में। डेरु, बारहमासा, आल्हा और रागनी, ये चार स्तंभ हमारी लोक संस्कृति के प्रहरी हैं। इन्हें संजोकर रखना केवल कलाकारों की नहीं, हर हरियाणवी की जिम्मेदारी है।

कविता | राजपाल सिंह गुलिया

मोल माणसाँ का गिर ग्या

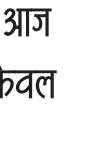

कील्याँ का के रेट बढ़या योह, मोल माणसाँ का गिर ग्या ।
समझणियाँ माणस तै भाई , इब चोगरदे तैं घिर ग्या ॥

भाण बोल्यी भाई तैं याह , आग्गे पार पड़ै कोन्या ।
अपणे हिस्से नै बता कौण सी, लेती भाण कड़ै कोन्या।
मनै लागै सै म्हारी खातिर, दो रोटी ईब हड़ै कोन्या ।
मैं तै नकटी हो आग्यी, दूजी हो त बड़ै कोन्या ।
तनै त्योहार पै आणा छोड़या, तूँ कती निस्तरग्या ।

सारे भाई कट्ठे होकै, खेवट [illegible] पड़वावैं सै ।
काणी कूट बता कै देखो, फ[illegible]ड का चाहैं सैं ।
रोज दूसरे लोग आण के, [illegible]नै न्यूँ बहकावैं सैं ।
एक करोड़ म्हँ दे तै बता, गाहक- भतेरे आवैं सै ।
घासी का बाबू खेताँ का, कती पाटड़ा फेर कर ग्या ।

पढ़े -लिखे सैं ये छोरे पर, माणस कि पिछाण नहीं सै ।
बापू इसा बावला बण ज्या, जणू कती जाण नहीं सै ।
छोटे बड्डे कट्ठे पीवैं, किसै की किसै क काण नहीं सै ।
मंगलवार की टाल करैं बस, बाकी इनके आण नहीं सै ।
दारू प्या कै लहरी नै , चतरू कती धार पै धर ग्या ।

देख ल्यो थम खेताँ के ये , नित नए इब भा होग्ये ।
सभ अपणै- अपणै राजी सैं , न्यारे सबके राह होग्ये ।
खूड बेच कै आज देख ल्यो, घर गैल्याँ ये शाह होग्ये ।
राजपाल गुलिया कह बेचण, के न्यूँ सोच क चा होग्ये ।
कितै डूम नाहीं गाँवेंगे, अक कमा-कमा कै धर ग्या ॥

कविता | रणबीर सिंह दहिया

मानस का धर्म

धर्म के सै माणस का मनै कोए बतादयो नै॥
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए दिखादयो नै॥

माणस तैं मत प्यार करो कौणसा धर्म सिखावै
सरे आम बलात्कार करो कौणसा धर्म सिखावै
रोजाना नर संहार करो कौणसा धर्म सिखावै
तम दारू का व्यापार करो कौणसा धर्म सिखावै
धर्म क्यों खून के प्यासे मनै कोए समझादयो नै॥
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए दिखादयो नै॥

ईसा राम और अलाह जिब एक बताये सारे रै
इनके चाह्णण आले बन्दे क्यूँ खार कसूती खारे रै
क्यों एक दूजे नै मारण नै [illegible]कजी हाथां ठारे रै
अमीर देश हथियार बेच [illegible] खूबै मौज उड़ारे रै
बैर करो मारो काटो लिखै वो ग्रन्थ भुलादयो नै॥
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए दिखादयो नै॥

मानवता का तत कहैं सब धर्मां की जड़ में सै
कुदरत का प्रेम सारा सब धर्मां की लड़ मैं सै
कदे कदीमी प्रेम का रिश्ता माणस की धड़ मैं सै
कट्टरवाद नै घेर लिए यो हर धरम जकड़ मैं सै
लोगां तैं अरदास मेरी क्युकरै इनै छटवादयो नै॥
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए दिखादयो नै ॥

यो जहर तत्ववाद का सब धर्मों मैं फैला दिया
कट्टरवाद घोल प्याली मैं सब ताहिं पिला दिया
स्कीम बणा दंगे करे इंसान मासूम जला दिया
बड़ मानवता का आज सब धर्मों नै हिला दिया
रणबीर सिंह रोवै खड़या इनै चुप करवादयो नै ॥
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए समझादयो नै ॥

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

तंत्र-मंत्र

अब अनपढ़ या कम पढ़े-लिखे लोग ही तांत्रिकों के चंगुल में फंसते हैं, वैज्ञानिक शिक्षा का अधिक प्रचार-प्रसार जरूरी

बदल रहा लोगों का दृष्टिकोण, अपना रहे वैज्ञानिक नजरिया

अंधविश्वास | राज कुमार नरवाल

जैसे-जैसे प्रदेश में शिक्षा का प्रचार-प्रसार बढ़ा है और लोग शिक्षित हुए हैं, तब से हरियाणा के लोगों का दृष्टिकोण बदला है। वे वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने लगे हैं। बहुत से अंधविश्वास, जादू-टोने और तंत्र-मंत्र से वे बाहर निकल आए हैं। गांव-देहात में लोगों को तंत्र मंत्र, जादू टोने और अन्य कई तरह के अंधविश्वास का डर दिखाकर ठगा जाता था।

पढ़े-लिखे लोग अब जादू टोना और तंत्र मंत्र में विश्वास नहीं करते। लोग तार्किक हो गए हैं और चीजों का विश्लेषण करने लगे हैं। वे जल्द बहकावे में नहीं आते। एक जमाना ऐसा था जब लोगों को भूत-प्रेत का भय दिखाया जाता था। रात के समय श्मशान घाट के पास से गुजरते समय लोग डरते थे। हवेलियों और खंडहर मकानों में भूत प्रेत का वास होने की कहानियां सुनने को मिलती थी। यदि किसी व्यक्ति को मानसिक रोग हो जाता था तो उसको कहा जाता था कि इसमें भूत प्रवेश कर गया है। महिलाओं में भूत-प्रेत का साया होने के ज्यादा मामले सुनने को मिलते थे। किसी के घर में और किसी के खेत में भूत-प्रेत होने का डर दिखाकर तांत्रिकों द्वारा लोगों को लूटा जाता था। विभिन्न प्रकार के रोगों का इलाज दवाइयों की बजाए गंडा, ताबीज और भभूत (राख) से किया जाता था। अंधविश्वास के चलते लोगों का समय पर इलाज न होने की वजह से वे दम तोड़ देते थे। लोग अपनी बहू-बेटियों को लेकर कई कई दिन तक झाड़ फूंक के पास बैठे रहते थे। भूत प्रेत निकालने के लिए झाड़-फूंक, झाड़ा लगाने का काम करते थे। बुखार व दूसरी बीमारियां ठीक करवाने के लिए लोग झाड़ा लगवाते थे और मानते थे कि झाड़ा लगाने से रोक ठीक हो जाते थे।

डायन, डाकन, भूत, भूतनी, जिंद, जिंदणी, धौलकपड़िया, शाभा और न जाने कितने नामों का प्रयोग कर लोगों को डराया जाता था। कहीं पर पत्थर बरसाकर लोगों को डराया जाता था और कहा जाता था कि यह प्रेत आत्मा ऐसा कर रही है। किसी के घर में अचानक से आग लग जाती थी और उसके पीछे भी तंत्र मंत्र वाले लोग ही काम करते थे। लेकिन अब पहले जैसा हरियाणा नहीं रहा। लोगों की सोच अब बदल गई है। अब यह डरने डराने का दौर खत्म हो गया है। अब यहां के लोग पिछले कुछ दशकों में इन चीजों से बाहर निकले हैं। हालांकि इक्का-दुक्का जगहों से आज भी ऐसे मामले सामने आ जाते हैं। लेकिन जादू टोना और तंत्र-मंत्र से लोगों का विश्वास उठ गया है। अब अनपढ़ या कम पढ़े-लिखे लोग ही तांत्रिकों के चंगुल में फंसते हैं।

पूरी तरह से वैज्ञानिक नहीं हुए प्रदेश के लोग बाबाओं के चक्र में फंसे हैं : डॉ. सुशीला धनखड़

डॉ.सुशीला धनखड़, पूर्व प्रोफेसर, समाज शास्त्र

अब भी हरियाणा के लोग पूरी तरह से वैज्ञानिक नहीं हुए हैं। यह बात सच है कि वे जादू टोना और तंत्र मंत्र से बाहर निकल आए हैं। लेकिन वे एक अंधविश्वास से निकलकर दूसरे अंधविश्वास में जाकर फंस गए हैं। मंदिरों में और बाबाओं के सत्संगों में पहले से ज्यादा भीड़ जुटने लगी है। शिक्षा के प्रचार प्रसार के बाद भी पूजा पाठ में कमी नहीं आई है, पूजा पाठ ज्यादा बढ़ा है। अब पहले से ज्यादा सत्संग होने लगे हैं। प्रवचन देने वाले बाबाओं की संख्या में इजाफा हुआ है। लोग अंधभक्त होकर सत्संग में जा रहे हैं। बाबाओं को भगवान मान रहे हैं। पढ़े लिखे लोग सत्संगी बाबाओं के पैर पूज रहे हैं। आज सभी गांवों में रोजाना जगह-जगह सत्संग हो रहे हैं। पहले गांवों में इतने सत्संग नहीं होते थे। यदि कोई बाबा जेल से पेशी पर आता है तो वहां पर अंधभक्तों का तांता लग जाता है। सत्संग में बाबा लोगों को मोह माया से दूर रहने का संदेश देते हैं और खुद लाखों रुपये लेकर सत्संग करने आते हैं। लोगों में वैज्ञानिक चेतना तो आई है, लेकिन लोग सत्संग से जुड़ रहे हैं, तो इसका मतलब हम पूरी तरह से अंधविश्वास से नहीं निकले हैं। धर्म का प्रचार प्रसार हो रहा है। पूजा पाठ बढ़ रहा है। मंदिरों में भीड़ बढ़ रही है। लेकिन सोचने वाली बात यह है कि इतने धार्मिक होने के बाद भी हमारे अंदर नैतिक मूल्य कम क्यों हो रहे हैं। वैल्यू घटना चिंता का विषय है। फिर धार्मिक होने का क्या फायदा हुआ। समाज में आपसी सहयोग की भावना कम हो रही है और भाईचारे की भावना में कमी आई है। समाज में गुटबाजी बढ़ रही है। लोग कन्यफ्यूज हो गए हैं। अब न तो वे पूरी तरह शहरी बन पा रहे हैं और न ही पूरी तरह ग्रामीण। असल में लोग अवसरवादी हो गए हैं। जिसका जिस तरह काम निकलता है, उसी तरह अपना काम निकाल लेते हैं।

अंधविश्वास के पीछे निजी स्वार्थ छिपा : वेद प्रिय

वेद प्रिय, उपप्रधान हरियाणा ज्ञान विज्ञान मंच

भिवानी के शिक्षाविद् वेद प्रिय ने बताया कि लोगों को अंधविश्वास से बाहर निकालने के लिए प्रदेश में कई संस्थाएं काम कर रही हैं। वे खुद हरियाणा विज्ञान मंच के उपप्रधान हैं और हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति के कार्यकारी सदस्य हैं। इसी तरह देश में तर्कशील आंदोलन चल रहा है। प्रतिशील संस्थाएं भी काम कर रही हैं। अंधविश्वास की घटना के बाद ये संगठन तुरंत संज्ञान लेते हैं। मौके पर जाकर अंधविश्वास की घटना की सच्चाई लोगों के सामने लाते हैं। वेद प्रिय का मानना है कि अंधविश्वास को पूरी तरह से खत्म नहीं किया जा सकता। क्योंकि कुछ लोगों के दिमाग की सोचने की प्रक्रिया धीमी होती है। उनका दिमाग पूरी तरह से चीजों का उस तरह से विश्लेषण नहीं कर पाता, जितना दूसरे लोगों का करता है। वह व्यक्ति ढंग से सोच नहीं पाता। हालांकि प्रदेश में अंधविश्वास के मामलों में कमी आई है। धीरे-धीरे लोग अंधविश्वास से बाहर निकल रहे हैं। प्रदेश सरकार और प्रशासनिक ढांचे ने अंधविश्वास फैलाने वालों पर शिकंजा कसा है। अब अंधविश्वास फैलाने से लोग डरते हैं, कहीं कानूनी कार्रवाई न हो जाए। यही वजह है कि अब उतनी घटनाएं नहीं होती, जितनी पहले होती थी। अंधविश्वास के पीछे व्यापार अथवा निजी स्वार्थ छिपा होता है। ऐसे लोग अनपढ़ अथवा कम पढ़े लिखे लोगों को अपना निशाना बनाते हैं। यदि अंधविश्वास से नई पीढ़ी को बचाना है तो उनको अच्छी शिक्षा देनी होगी। सही मायने में उनको वैज्ञानिक पढ़ाई-लिखाई सिखाने की जरूरत है।

विश्व पटल पर भारतीय रंगमंच को स्थापित कर गये रतन

श्रद्धांजलि | ओंकारेश्वर पांडेय

रतन थियम चले गए। दादा 23 जुलाई, 2025 को गए। मणिपुर रो रहा है। शांति की बात उन्होंने की। उनका रंगमंच चमका। वे कहते थे - "रंगमंच हमारी आत्मा है।" रचनात्मकता के हथियारों से युद्ध के खिलाफ युद्ध लड़ने वाला योद्धा नहीं रहा। अशांत मणिपुर को शांति का संदेश देते देते खामोश हो गये रतन थियम। वे भारतीय रंगमंच के एक विशाल पर्वत थे। उन्होंने मणिपुरी परंपराओं को विश्व के साथ जोड़ा। उनकी रचनाएं—महाभारत त्रयी (उरुभंगम, चक्रव्यूह, कर्णभरम) और लैरेंबीगी ईशेई—युद्ध, पहचान और शांति पर गहरी सोच रखती थीं। मणिपुर के मैतेई-कुकी झगड़े से वे दुखी थे और शांति की आवाज़ बने। रतन एक रंगकर्मी या निर्देशक भर नहीं, वह रंग वैज्ञानिक थे, जिसने मणिपुर की आत्मा को वैश्विक कैनवास पर उकेरा। उनकी कला आज भी एकता की मिसाल है। उनका जाना भारत और दुनिया को झकझोर रहा है। रतन थियाम, वह दूरदर्शी नाटककार, निर्देशक और सांस्कृतिक दीपक, जिन्होंने 77 वर्ष की आयु में इम्फाल के रिम्स अस्पताल में अंतिम प्रणाम लिया। उनका निधन केवल भारतीय रंगमंच के लिए ही नहीं, अपितु वैश्विक मंच के लिए भी एक युग का अंत है, जहां उनके कार्य ने सीमाओं, भाषाओं और संस्कृतियों को लाँघकर मानव आत्मा की सार्वभौमिक पुकार को स्वर दिया। उन्हें केवल रंग कलाकार या निर्देशक कहना उनके अपार प्रतिभा को कमतर आंकना होगा; मैं कहूंगा कि वे एक रंग वैज्ञानिक थे, एक ऐसे महान रसायनज्ञ, जिन्होंने प्राचीन और समकालीन, स्थानीय और सार्वभौमिक, आध्यात्मिक और राजनैतिक तत्वों को सानंदित कर रंगमंच को एक अनुपम प्रयोगशाला बनाया। उनका मंच वह पवित्र स्थल था, जहाँ मणिपुर की परंपराएं, वैश्विक सौंदर्यबोध और मानवीय अनुभवों का कच्चा स्पंदन एक अनुपम सत्य और सौंदर्य के रूप में सानंदित हुआ।

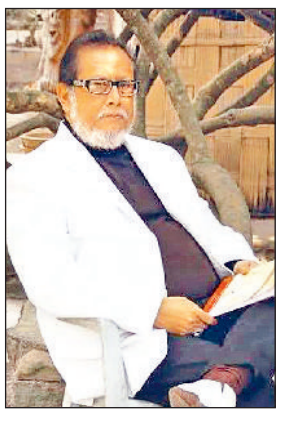

20 जनवरी, 1948 को मणिपुर के इम्फाल में जन्मे रतन थियाम एक बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे, जिनकी रचनात्मक यात्रा चित्रकला और लेखन से प्रारंभ होकर रंगमंच में अपनी पराकाष्ठा तक पहुंची। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) से 1974 में स्नातक होने के पश्चात, उन्होंने 1976 में इम्फाल के निकट कोरस रिपर्टरी थिएटर की स्थापना की, जो मणिपुर की संनादित संस्कृति और विश्व के साथ संवाद का एक पवित्र मंदिर बन गया। उनकी रंगमंचीय प्रस्तुतियां केवल नाटक नहीं थीं, अपितु युद्ध, पहचान और मानवता की अनंत खोज पर गहन चिंतन थीं।

उनके पुरस्कार संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (1987), पद्म श्री (1989), कालिदास सम्मान (1997), संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप (2012), और मणिपुर का लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड (2025), उनकी उस विरासत के केवल मामूली पुष्टिकरण थे, जिसे मापना असंभव है।

रंगमंच वैज्ञानिक की विरासत का संरक्षण

रतन थियम का निधन एक शून्य छोड़ गया है, किंतु उनकी विरासत को मलिन नहीं होने देना चाहिए। इम्फाल में उनका कोरस रिपर्टरी थिएटर, एक सांस्कृतिक दीपस्तंभ, को उनके कार्य का जीवंत संग्रहालय बनाकर समर्थन देना चाहिए, जो भविष्य के कलाकारों को उनके अंतर्विषयी दृष्टिकोण में प्रशिक्षित करे। जैसा कि थियम ने जनवरी 2025 में निंगथम खुमहेई शुमंग लीला उत्सव में वकालत की थी, मणिपुर में एक विश्वस्तरीय सांस्कृतिक परिसर की स्थापना राज्य की कलात्मक विरासत को पोषित करने के लिए आवश्यक है। उनके स्क्रिप्ट्स, रिकॉर्डिंग्स और प्रस्तुति नोट्स को डिजिटाइज कर विश्व भर के विद्वानों और अभ्यासियों के लिए सुलभ करना चाहिए, ताकि चक्रव्यूह और उत्तर प्रियदर्शी जैसे कार्य प्रेरणा देते रहें। शैक्षिक संस्थानों, विशेष रूप से एनएसडी, जहाँ थियम ने निदेशक (1987–88) और अध्यक्ष (2013–17) के रूप में सेवा दी, को उनकी पद्धतियों को पाठ्यक्रम में समाहित करना चाहिए, जो पारंपरिक और समकालीन रूपों के संनादन पर बल देता हो। भारत रंग महोत्सव जैसे उत्सवों, जहाँ थियम के नाटकों को सराहा गया, को उनके कार्यों के लिए रेट्रोस्पेक्टिव समर्पित करने चाहिए, जो स्थानीय और वैश्विक दर्शकों से संवाद करने की उनकी क्षमता को प्रदर्शित करें। इसके अतिरिक्त, उनकी एकता की पुकार "विविध सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों में एकता का सार ही एकता ला सकता है" को मणिपुर के जातीय विभाजनों को कला के माध्यम से जोड़ने के प्रयासों का मार्गदर्शन करना चाहिए।

थियम की स्थानीय और सार्वभौमिक को मिश्रित करने की क्षमता जापान के तदाशी सुजुकी के कार्य के समान थी, जिनके सुजुकी मेथड ने शारीरिकता और सांस्कृतिक स्मृति पर जोर दिया, ठीक वैसे ही जैसे थियाम ने थांग-टा और मैतेई रीति-रिवाजों का उपयोग किया।

खबर संक्षेप

बैठक में जन्माष्टमी उत्सव की तैयारियों पर हुई चर्चा

महेंद्रगढ़। गांव सिसोठ स्थित माता भूरा भवानी मंदिर परिसर में आगामी जन्माष्टमी महोत्सव को लेकर मंदिर कमेटी की एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता मंदिर कमेटी के प्रधान संदीप यादव ने की। जबकि संचालन सचिव मास्टर अनिल कुमार ने किया। सचिव मुकेश चौहान ने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य 16 अगस्त को मनाए जाने वाले श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व को भव्य ओर सांस्कृतिक रूप से सफल बनाने की तैयारियों की रूपरेखा तय करना था।

लाइसेंस नवीनीकरण की मांग, विधायक को सौंपा ज्ञापन

नारनौल। दी खाद्यान्न व्यापार एसोसिएशन नई मंडी के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रधान रामजीलाल मित्तल के नेतृत्व में विधायक ओमप्रकाश यादव को को एक ज्ञापन दिया। जिसमें कहा कि अनाज मंडी नजदीक राजीव चौक के एक्सटेंशन के ऑर्डर लेट आने की वजह से कुछ व्यापारियों के मार्केट कमेटी के लाइसेंस नवीनीकरण नहीं हो पाए थे।

हरित वसुंधरा आधार समिति ने किया पौधारोपण

नारनौल। हरित वसुंधरा आधार समिति ने श्रीकृष्णा पशु पक्षी कल्याण समिति के साथ मिलकर स्वर्ग आश्रम नजदीक नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में विभिन्न प्रजाति के 51 पौधे रोपित किए। इस अवसर पर डॉ. रामअवतार यादव ने पहला पौधा लगाकर अभियान की शुरूआत की। पर्यावरण प्रेमी बजरंग लाल बंसल व कृष्ण कुमार बंसल ने त्रिवेणी लगाकर अभियान को आगे बढ़ाया।

उपभोक्ताओं के लिए विशेष बिजली अदालत कल

नारनौल। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित समाधान हेतु 29 जुलाई को विशेष बिजली अदालत व बिजली बिल समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का आयोजन बिजली बोर्ड के सर्कल कार्यालय सिंघाना रोड में प्रातः 11 बजे से दोपहर एक बजे तक किया जाएगा। अधीक्षक अभियंता जोगेंद्र हुड्डा ने बताया कि उपभोक्ता इस अवसर पर अपनी बिजली कनेक्शन से जुड़ी शिकायतें व बिल संबंधी समस्याएं सीधे अधिकारियों के समक्ष रख सकेंगे, मौके पर ही समाधान की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

दो महिला अभ्यर्थी पुलिस की सर्तकता से सीईटी परीक्षा से वंचित होने बचीं, मदद के लिए जताया आभार

परीक्षार्थियों के लिए वरदान बनी ईआरवी, महिला को केंद्र पहुंचाया, एक का आधार कार्ड पहुंचाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

पुलिस की मदद मिलने से परीक्षा में बैठ सकीं दो अभ्यर्थी, समय पर ईआरवी की सहायता पर जताया आभार

सीईटी के दूसरे दिन पुलिस की ईआरवी सेवा दो महिला परीक्षार्थियों के लिए वरदान साबित हो गई। समय पर मदद मिलने से दोनों महिला अभ्यर्थी परीक्षा से वंचित रहने से बच गईं। दोनों ने पुलिस विभाग का आभार व्यक्त करते हुए समय पर मदद करने की जमकर सराहना की।

महेंद्रगढ़ के गांव लावन की रहने वाली अभ्यर्थी रेणू का परीक्षा केंद्र राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बिठवाना था। रविवार सुबह के सत्र में परीक्षा देने के लिए रेणू घर से समय पर घर से निकली थी। वह बिठवाना की जगह गलती से बावल पहुंच गई। इसी दौरान परीक्षा शुरू होने का समय करीब आ गया। परीक्षा का समय करीब होने के कारण उसके हाथ-पैर फूलने शुरू हो गए। परीक्षा से वंचित रहने की आशंका से उसके माथे पर पसीना आ गया। अचानक उसके दिमाग में पुलिस से मदद मांगने का विचार आया। उसने मदद के लिए डायल-112 पर कॉल की, तो पुलिस उसके लिए सबसे बड़ी सहयोगी बनकर सामने आई। सूचना मिलते ही पुलिस की ईआरवी नं. 564 तुरंत रेणू की लोकेशन पर पहुंच गई। उसे गाड़ी में बैठाकर बिठवाना परीक्षा केंद्र तक पहुंचाया, जिस कारण वह समय पर परीक्षा देने में कामयाब रही।

रेवाड़ी। ईआरवी की मदद से परीक्षा केंद्र पहुंची मनीषा। फोटो : हरिभूमि

समय पर पहुंचाया आधार कार्ड

महेंद्रगढ़ के शिमला गांव निवासी मनीषा का परीक्षा केंद्र मीरपुर यूनिवर्सिटी में था। वह समय पर परीक्षा देने के लिए यूनिवर्सिटी तो पहुंच गई, परंतु उसका आधार कार्ड उसकी सहेली के पास रह गया। उसकी सहेली यूरो स्कूल हांसाका में थी। इस बात की जानकारी एसएचओ बावल संजय कुमार को मिली, तो उन्होंने तुरंत कंट्रोल रूम को सूचना दी। कंट्रोल रूम की ओर ईआरवी नं. 575 को सूचित किया गया, जिसके बाद ईआरवी स्टाफ ने हांसाका स्कूल जाकर मनीषा की सहेली से उसका आधारकार्ड लिया।

सभी ने जताया पुलिस का आभार

परीक्षा खत्म होने के उपरांत रेणू और मनीषा सहित चारों महिलाओं ने पुलिस विभाग का समय पर सहयोग करने के लिए आभार जताया। रेणू ने बताया कि अगर पुलिस समय पर उसे परीक्षा केंद्र नहीं पहुंचाती, तो उसका परीक्षा से वंचित रहना निश्चित था। इसी तरह मनीषा ने कहा कि आधारकार्ड समय पर नहीं पहुंचता, तो केंद्र में उसकी एंट्री नहीं होती। उन्होंने कहा कि पुलिस ऐने मौके पर उनके लिए सबसे बड़ी सहयोगी साबित हुई है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने दिखाया सेवाभाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिले में सीईटी के लिए बड़ी संख्या में महिला अभ्यर्थियों के साथ परीक्षा केंद्रों पर उनके परिजन आए हुए थे। भाजपा जिलाध्यक्ष डा. वंदना पोपली ने सेवाभाव की भावना से परीक्षार्थियों के साथ आए अभिभावकों के लिए जलपान की व्यवस्था की। उन्होंने महामंत्री हिमांशु पालीवाल के साथ परीक्षा केंद्र पर आए अभिभावकों को चाय-नाश्ता व भोजन कराया। भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ आमजन ने भी कई अन्य सेंटरों पर बाहर से आए लोगों के लिए जलपान की व्यवस्था की। भारी गर्मी के मौसम में अभिभावकों के लिए पानी की व्यवस्था भी खासतौर पर की गई। भाजपा कार्यकर्ताओं ने समाज के प्रति अपनी संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी का उदाहरण प्रस्तुत किया। भाजपा जिलाध्यक्ष डा. वंदना पोपली ने कहा कि यह सेवा अभियान न केवल छात्रों व अभिभावकों की सुविधा के लिए था, बल्कि समाज के प्रति सेवाभाव को भी दर्शाता है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने परीक्षा केंद्रों के आपपास सुबह से ही मोर्चा संभाल लिया था। परीक्षार्थियों व उनके साथ आए अभिभावकों को चाय-नाश्ते के साथ व भोजन कराया गया। कई स्थानों पर टेंट की व्यवस्था भी की गई थी। डा. पोपली ने कहा कि भाजपा का उद्देश्य केवल राजनीति नहीं, सेवा भी है। जब युवा अपने भविष्य की दिशा तय कर रहे होते हैं, ऐसे समय में उन्हें सहयोग देना हमारा नैतिक दायित्व बनता है। डा. पोपली ने सरकार व प्रशासन के कुशल संचालन की सराहना भी की। भाजपा पदाधिकारियों ने अहीर कॉलेज, कैमब्रिज स्कूल, केएलपी कॉलेज, नवज्योति पब्लिक स्कूल पीठड़ावास, वीआईपी स्कूल, विकास इंटरनेशनल स्कूल, सूरज स्कूल, जैन पब्लिक स्कूल, महाराज अग्रसेन स्कूल व इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी मीरपुर सहित अनेक परीक्षा केंद्रों के बाहर 200 मीटर की दूरी पर सेवाएं प्रदान की। इस मौके पर कुलदीप चौहान, जतिन अरनेजा, धीरज यादव, दिनेश यादव, प्रवीण शर्मा, समीर कालरा, दीपक पाल्हावासिया, राजीव आहूजा, मुकेश सारवान, गौरव शर्मा, सौरभ यादव, सत्यपाल धूपिया, नेहा शर्मा, रत्नेश बंसल, सुरेंद्र यादव आदि मौजूद रहे।

रेवाड़ी। परीक्षार्थियों के अभिभावकों को भोजन कराते भाजपाई। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा में ग्रुप ए व बी की सरकारी नौकरियों में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में फ्री चिकित्सा शिविर व मासिक बैठक का आयोजन किया गया। कैंप में मरीजों को ओपीडी सेवाएं व फ्री दवाईयां प्रदान की गई। कैंप में 75 मरीजों की जांच की गई। डा. एस पी यादव ने मेडिसन, डा. प्रशांत यादव ने हड्डी रोग व डा. प्रद्युम्न यादव ने यूरोलोजी सर्जरी में ओपीडी सेवाएं दी तथा लेफ्टिनेंट पूर्ण सिंह यादव ने फिजियोथेरेपी के लिए उपलब्ध थे।

कैंप के बाद यादव कल्याण सभा के प्रधान रामबीर यादव की अध्यक्षता व महंत लालदास मुख्य संरक्षक के सानिध्य में मासिक बैठक आयोजित की गई। सभा के सेक्रेटरी जसवंत सिंह यादव ने मीटिंग में महीने की आय-व्यय का ब्योरा पेश किया तथा सभा की विभिन्न गतिविधियों बारे में अवगत कराया। मीटिंग में यादव कल्याण सभा की ओबीसी प्रकोष्ठ की ओर से हरियाणा में ग्रुप ए व बी की सरकारी नौकरियों में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण (16 प्रतिशत ग्रुप ए व 11 प्रतिशत ग्रुप बी में) की मांग का प्रस्ताव रखा गया, जिसको सभा की कार्यकारिणी ने सर्वसम्मति से पारित किया। सभा की ओर से निर्णय लिया गया कि इस प्रस्ताव को लेकर मुख्यमंत्री हरियाणा सरकार, मंत्रियों व सभी लोकल विधायकों को ज्ञापन भेजा जाएगा। इस मौके पर प्रधान रामबीर यादव ने बताया कि यादव कल्याण सभा पहले भी अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए ग्रुप ए व बी की सरकारी नौकरियों में 27 प्रतिशत आरक्षण की मांग का प्रस्ताव पारित करके मुख्यमंत्री के पास भेज चुकी है। मुख्य संरक्षक महंत लालदास ने सभी सदस्यों से मिलकर काम करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अवगत कराया कि केवल जैनाबाद गांव से यादव कल्याण सभा को 72 लाख से भी अधिक का डोनेशन दिलवाने का काम किया गया है।

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की बैठक में सदस्यों को संबोधित करते महंत लालदास।

हरियाली तीज महोत्सव आज, 71 लाख की लागत के दस महिला सांस्कृतिक केंद्रों का होगा शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

राजस्व मंत्री विपुल गोयल महिलाओं को भेंट करेंगे कोथली, तीज महोत्सव में देखने को मिलेगा हरियाणवी संस्कृति का संगम

हरियाणा सरकार के कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग तथा जिला प्रशासन के तत्वावधान में 28 जुलाई को दोपहर एक बजे केएलपी कॉलेज में हरियाली तीज महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। प्रदेश के राजस्व एवं शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगे। रविवार को एडीसी राहुल मोदी ने कार्यक्रम के आयोजन को लेकर समारोह स्थल का दौरा किया और अधिकारियों को आवश्य दिशा निर्देश दिए। एडीसी व जिला परिषद के सीईओ राहुल मोदी ने बताया कि तीज का राज्य स्तरीय महोत्सव अंबाला में आयोजित किया जा रहा है, जिसे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी वीसी के जरिए संबोधित करेंगे। जिले में कार्यक्रम केएलपी कॉलेज में आयोजित किया जाएगा। इस महोत्सव में स्वयं सहायता समूहों की ओर से प्रदर्शनी लगाई जाएगी। मंच पर लोक कलाकार हरियाणवी संस्कृति से ओतप्रोत प्रस्तुति देंगे। सरकार की ओर से राजस्व मंत्री विपुल गोयल महिलाओं को सम्मान स्वरूप कोथली भेंट करेंगे। इसके अलावा जिले में श्रेष्ठ कार्य कर रहे स्वयं सहायता समूह को भी सम्मानित करेंगे। एडीसी ने बताया कि तीज महोत्सव में जिले के विधायक और डीसी अभिषेक मीणा भी मौजूद रहेंगे। दोपहर एक बजे महोत्सव का शुभारंभ होगा। इस अवसर पर 71.09 लाख रूपए की लागत से जिलं के 10 महिला सांस्कृतिक केंद्रों का शुभारंभ किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले में गांव पावटी, नारायणपुर, जाहिदपुर, मालाहेड़ा, बवाना गुर्जर, धामलावास, कुंडल, पीथड़ावास, बुढ़ानी व गोकलगढ़ में महिला सांस्कृतिक केंद्र खुलेंगें।

■ विधायक और डीसी अभिषेक मीणा भी मौजूद रहेंगे

आरओबी सर्विस रोड के चौड़ाकरण की राशि स्वीकृत होने पर विधायक का जताया आभार

रेवाड़ी। भाड़ावास रोड स्थित ओवरब्रिज के सर्विस रोड के चौड़ाकरण को लेकर राशि स्वीकृत होने पर ओवरब्रिज सर्विस लाइन समिति के अध्यक्ष जयसिंह जाट की अध्यक्षता में वार्ड नंबर-23 के लोगों ने विधायक लक्ष्मण सिंह का आभार व्यक्त किया। रेलवे ओवरब्रिज के दोनों सर्विस रोड को चौड़ा करने लिए 13 करोड़ 81 लाख की राशि स्वीकृत हुई है। इस मौके पर नगर पार्षद एडवोकेट भूपेन्द्र गुप्ता ने कहा कि विधायक लक्ष्मण सिंह के अथक प्रयास से सरकार ने सर्विस लाइन के लिए लोगों से जमीन पर परचेज करने के लिए राशि मंजूर की है। समिति ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव व नगर परिषद चेयरपर्सन पूनम यादव का भी आभार जताया। इस मौके पर नगर पार्षद प्रतिनिधि दीपक सैनी, दीपक मंगला भाजपा नेता, पूर्व पार्षद रामौतार छावड़ी, महावीर सैनी, आजाद जांगिड़, भानू सैनी, सोनू सैनी, राजेश यादव, प्रीतम मास्टर, मुकेश भारद्वाज, सुरेंद्र शर्मा, प्रेम प्रजापत, बंसीलाल, गुलशन, सतपाल, रामजीलाल, विनोद, रविंद्र यादव व अनिल शर्मा उपस्थित थे।

अस्पताल बनाओ संघर्ष कमेटी ने फदनी में कैंडल मार्च निकालकर लोगों से मांगा समर्थन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

अस्पताल बनाओ संघर्ष कमेटी रामगढ़ भगवानपुर का धरना रविवार को 41वें दिन भी जारी रहा। धरने पर रोजना दर्जन भर से अधिक गांवों के ग्रामीण शामिल हो रहे है। धरना की अध्यक्षता राव लाल सिंह ने की। सरपंच प्रतिनिधि अनिल कुमार ने कहा जब तक मांग पूरी नहीं होती, तब तक धरना जारी रहेगा। रविवार को राष्ट्रीय बौद्ध महासभा प्रदेश अध्यक्ष शेरसिंह नारनौल व महासभा के प्रदेश महामंत्री कृष्ण तोबडा ने धरना स्थल पर पहुंचकर ग्रामीणों को समर्थन दिया। रामगढ़ भगवानपुर अस्पताल बनाओ संघर्ष समिति की ओर से जन जागरण अभियान की शुरूआत की जा चुकी है। अभियान के तहत रविवार को गांव फदनी में कैंडल मार्च निकालकर लोगों को जागरूक किया गया। धरना स्थाल पर शेरसिंह मीरपुर, रमेश चंद्र एडवोकेट फदनी, महिपाल फदनी, अनिल सरपंच गोकलपुर, एडवोकेट सुधीर कुमार मीरपुर,अभय सिंह फिदेड़ी, भगवान सिंह फिदेड़ी, प्रताप सिंह फिदेडी, अमरजीत फिदेड़ी सतीश सरपंच बुड़ानी, रामकुमार बुड़ानी, मोहर सिंह बुड़ानी, रामकुमार बुड़ानी, राज सिंह मांढैया,पृथ्वी सिंह बालियर खुर्द, लखपत भगवानपुर,नवल सिंह बुढ़ाना, इंद्रजीत नंबरदार रामगढ़, हरिओम मिस्त्री, राजकुमार, राजबीर, वीरेंद्र सिंह फोजी, शोभाराम, कृष्णा देवी भगवानपुर सरपंच, आशा भगवानपुर, सुनीता भगवानपुर, राजेश, मोनिका, विमला, उर्मिला, अनीता, निर्मला, रामगिरी रामगढ़, वीरमति व कविता देवी सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

रेवाड़ी। रामगढ़ में धरने पर बैठे ग्रामीण।

तीज महोत्सव में बेटियों की सुरक्षा व शिक्षा के लिए सकारात्मक समाज निर्माण का लिया संकल्प

रेवाड़ी। गांव कसोला में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत तीज महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने पारंपरिक परिधान पहनकर उत्सव की रौनक बढ़ाई और बेटियों की अहमियत को समझते हुए उन्हें बचाने का संकल्प लिया। विभाग की सुपरवाइजर शबनम ने कहा कि बेटियों की घटती संख्या चिंता का विषय है, जिसको लेकर सरकार और समाज मिलकर जागरूकता फैलाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तीज केवल एक पर्व नहीं, बल्कि महिलाओं के आत्मबल, संस्कृति और सृजनशक्ति का उत्सव है। विभाग की ओर से कसोला के साथ-साथ लालपुर, बोलनी, पीथनवास और लोधाना सहित अनेक गांवों में तीज महोत्सव के माध्यम से लोगों को कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ जागरूक किया। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुनीता, निर्मला, संजू, केला देवी, ब्रह्मा देवी, नीतू कुमारी, ममता, सुमन और संतोष देवी ने सक्रिय भागीदारी निभाई। महिलाओं ने लोकगीतों के साथ झूले का आनंद लिया।

नहर में डूबने से दो युवकों की हुई मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

जवाहरलाल कैनाल के पंप हाउस नंबर दो पर नहर में डूबने से रेवाड़ी जिले के दो युवकों की मौत हो गई है। मृतकों की पहचान रेवाड़ी जिले के गांव ढाणी शोभा निवासी 23 वर्षीय प्रवीन कुमार तथा गांव मनेठी निवासी 19 वर्षीय आर्यन के रूप में हुई है। रेवाड़ी जिले के गांव मनेठी निवासी आशीष, हिमांशु व आर्यन तथा ढाणी शोभा प्रवीन कुमार रविवार को जवाहरलाल कैनाल पर गांव सुरजनवास के पास आए थे। इसी दौरान आशीष व हिमांशु खाने पीने का सामान लेने के लिए चले गए। इसके बाद मौके पर बचे हुए दो युवकों में से एक युवक नहर में नहाने के लिए उतर गया, लेकिन पानी का अधिक बहाव होने के चलते वह डूबने लगा। अपने साथी को डूबता हुआ देख दूसरा युवक भी पानी में उतर गया, लेकिन दोनों युवक पानी में बह गए। कुछ समय बाद खाने-पीने का सामान लेने गए युवक मौके पर पहुंचे तथा देखा कि उनके साथी वहां नहीं है। उनको कोई अनहोनी होने की आशंका हुई। आशीष व हिमांशु ने डायल 112 पर घटना की सूचना दी। सूचना के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तथा युवकों की तलाश शुरू की। पुलिस की टीम ने ग्रामीणों की सहायता से गांव देवास के पंपहाउस के समीप से दोनों युवकों के शव नहर से बाहर निकाला।

- रेवाड़ी जिले के चार युवक दो बाइक पर सवार होकर आए थे नहर के समीप, दो युवक चले गए थे खाने-पीने का सामान लेने
- जवाहर लाल कैनाल के पंप हाउस नंबर दो के समीप नहाने के लिए उतारा था एक युवक, साथी को डूबता देख दूसरा युवक भी कूदा बचाने के लिए

पहले भी हो चुके हैं हादसे, विभाग नहीं ले रहा सबक

स्थानीय लोगों ने बताया कि इस स्थान पर पहले भी कई बार इस प्रकार की घटनाएं हो चुकी है, लेकिन सिंचाई विभाग या प्रशासन द्वारा कोई स्थायी समाधान या सुरक्षा उपाय नहीं किए गए। न तो चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं और न ही इस स्थान पर नहाने की मनाही को लेकर कोई सख्ती दिखाई जाती है।

बेटी सिर्फ एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक शक्ति व उज्जवल भविष्य की नींवः मंजू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से गांव राजगढ़ में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बेटियों के घटते अनुपात और इससे समाज पर पड़ रहे दुष्प्रभावों के बारे में बताया गया। विभाग की सुपरवाइजर मंजू ने कहा कि बेटियों की संख्या में लगातार गिरावट समाज के लिए गंभीर खतरे का संकेत है। यह केवल आंकड़ों की कमी नहीं, बल्कि हमारे सोचने के तरीके की त्रुटि है। उन्होंने कहा कि बेटा-बेटी में भेदभाव करने वाली सोच अब समाज के लिए बोझ बन चुकी है और इसे समय रहते बदलना होगा। मंजू ने कहा कि कई परिवारों में बेटों की संख्या तो है, लेकिन योग्य वधु नहीं मिलती, ऐसे में उनका वंश आगे नहीं बढ़ पाता और उन्हें उस समय अपनी सोच पर पछतावा होता है। यदि समाज समय रहते चेत जाए और बेटियों को भी समान सम्मान और अधिकार दे, तो यह स्थिति बदली जा सकती है। उन्होंने कहा कि बेटी सिर्फ एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक शक्ति व उज्जवल भविष्य की नींव है। जब बेटियां शिक्षित और आत्मनिर्भर होंगी, तभी समाज सशक्त होगा। इस मौके पर महिलाओं ने बेटियों को बराबरी का दर्जा देने की शपथ ली। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं सहित अनेक महिलाएं मौजूद रही।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद सुपरवाइजर व महिलाएं।

सुहागिनों ने मंदिरों में शिव-पार्वती की पूजा करके मांगी पति की दीर्घायु

हरियाली तीज पर युवाओं ने की जमकर पतंगबाजी, महिलाओं ने गाए गीत

- शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में देखने को मिले भारतीय संस्कृति के पारंपरिक रंग

हरिभूमि न्यूज ⏩ रेवाड़ी

जिले में रविवार को हरियाली तीज का पावन पर्व उत्साह व उमंग के साथ हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। महिलाओं ने झूलों पर मंगल गीत गाएं तो बच्चों और युवाओं ने जमकर पतंगबाजी की। पतंगबाजी के साथ युवाओं ने डीजे के गानों पर जमकर आनंद लिया। सुबह से शाम तक मकानों की छतों पर आई वो काटा-वो काटा की आवाज आती रही। धूप व उमस भरी गर्मी में भी युवाओं का पतंगबाजी का जोश कम नहीं हुआ। हरियाली तीज महिलाओं और कन्याओं के लिए सौभाग्य का दिन माना जाता है। महिलाओं और युवतियों ने 'लाइए जीजी लाइए सासू का नाक तोड़ के और दूंगी झोटा मैं इबके थोड़ी जोर तै' तथा 'आया सावन बड़ा मन भावन, रिमझिम की पड़े फुहार, राधा झूल रही कान्हा संग बागों में आई बहार' सहित अनेक मंगल गीतों पर झूले पर पींग बढ़ाई और शाम को कटींली झाड़ियों में बिरवे यानि चने बोने के साथ अपने सुहाग की मंगलकामना की। पतंग की दुकानों व मिष्ठान भंडारों पर भी लोगों की काफी भीड़ रही।

रेवाड़ी। तीज पर्व पर पार्क में झूला झूलते हुए युवतियां। फोटो : हरिभूमि

सुहागिनों ने की पति की दीर्घायु की कामना

हरियाली तीज पति-पत्नी के रिश्ते को मजबूत करने वाला पर्व है। तीज पर्व पर सुहागिनों ने रविवार को मंदिरों में जाकर विधिवत रुप से भगवान शिव व मां पार्वती की पूजा-अर्चना कर अपने पति की दीर्घायु की कामना भी की। सुहागिनों ने 16 श्रृंगार कर मां पार्वती की कथा भी सुनी। सुहागिनों ने व्रत रखा और सामूहिक रुप से पूजा भी की। इस व्रत को कठिन व्रतों में से एक माना जाता है और इसे भगवान शिव और माता पार्वती को भी समर्पित किया गया है। शास्त्रों के अनुसार देवी पार्वती ने भाद्रपद मास शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर भगवान शिव की आराधना की थी, तभी से भाद्रपद शुक्ल तीज को सुहागिनें अपने पति की दीर्घायु के लिए व अविवाहित कन्याएं मनवांछित वर की प्राप्ति के लिए व्रत रखती आ रही हैं।

रेवाड़ी। तीज पर्व पर पतंगबाजी करते युवा फोटो : हरिभूमि

देर रात तक रहा पतंगबाजी का रोमांच

तीज के पर्व पर सुबह से शाम तक मकानों की छतों पर बच्चे व युवा पतंगबाजी करते नजर आए। चारों तरफ आई वो काटा, यह पकड़ा की आवाजें आती रहीं। शाम ढलते ही युवाओं ने आतिशबाजी करने के साथ पैराशूट के साथ लाइटिंग की पतंगे उड़ाई। रंग-बिरंगी लाइटों से आसमान मनभावन व आकर्षक नजर आया। शहर में सामाजिक संगठनों की ओर से भी हरियाली तीज पर्व धूमधाम से मनाया गया। कई स्थानों पर तीज पर्व पर हवन व धार्मिक अनुष्ठान करके मंगल कामना की गई।

हरियाली तीज नारी शक्ति, प्रेम, समर्पण और सौभाग्य का प्रतीक पर्व : स्नेहलता

रेवाड़ी। हरियाली तीज पर्व मनाते हुए महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏩ रेवाड़ी

खंड खोल के गांव बास में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से हरियाली तीज महोत्सव का आयोजन पारंपरिक उत्साह और श्रद्धा के साथ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन का सुपरवाइजर स्नेहलता ने नेतृत्व में किया गया। इस मौके पर सुपरवाइजर स्नेह लता ने कहा कि हरियाली तीज नारी शक्ति, प्रेम, समर्पण और सौभाग्य का प्रतीक पर्व है, जो भगवान शिव और माता पार्वती के पवित्र मिलन को समर्पित है। उन्होंने कहा कि यह पर्व महिलाओं को उनके आत्मबल और धार्मिक आस्था से जोड़ता है। स्नेहलता ने बताया कि पौराणिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने कई जन्मों तक तप कर भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त किया था और हरियाली तीज उस मिलन की याद दिलाता है।

इस दिन महिलाएं विशेष रूप से व्रत रखती हैं, झूला झूलती हैं, लोकगीत गाती हैं और अपने परिवार के सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं पारंपरिक परिधानों में सज-धजकर शामिल हुईं। उन्होंने लोकगीतों और नृत्य के माध्यम से पर्व को जीवंत किया। झूले, मेंहदी, पारंपरिक पकवान और गीतों ने पूरे वातावरण को उल्लास मय बनाया। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल त्योहार का आनंद लेना था, बल्कि ग्रामीण महिलाओं को अपनी संस्कृति से जोड़ते हुए आत्म-सम्मान और सामाजिक समरसता का भाव जगाना भी था। सुपरवाइजर ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हरियाली तीज हमें प्रेम, विश्वास और धैर्य की सीख देती है। यह पर्व हमें हमारी परंपराओं से जोड़ता है और महिलाओं के महत्व को रेखांकित करता है।

सांस्कृतिक संस्था ने धूमधाम से मनाया तीज का पर्व

हरिभूमि न्यूज ⏩ रेवाड़ी

सामाजिक संस्था की ओर से रविवार को तीज का पर्व धूमधाम से मनाया गया। लड़कियों ने हाथों पर मेहंदी लगाई और नेताजी सुभाष चन्द्र बोस पार्क में झूला झूलकर सावन के गीत गाएं। युवाओं ने पतंग उड़ाने का आनंद लिया। भाड़ावास गेट स्थित अभिराज सांस्कृतिक संस्था की ओर से आयोजित कार्यकम में पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी धर्मबीर बल्ड़ोदिया ने बच्चों को चाइनीज मांझे का प्रयोग न करने व सावधानी बरतने के साथ-साथ प्रेम के प्रतीक तीज पर्व की शुभकामनाएं दी। संस्था के निदेशक अभिषेक सैनी ने कहा कि भारत त्योहारों का देश है, जहां पर सभी पर्व धूमधाम व खुशी के साथ मनाए जाते हैं। तीज का त्योहार भगवान शिव और मां पार्वती के पुनर्मिलन की याद में मनाया जाता है। इस दिन विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और सुखी वैवाहिक जीवन के लिए व्रत रखती हैं। इस अवसर पर समाजसेवी ईश्वरीय प्रसाद,आरके शर्मा, राजेश भगत, शालू सैनी, प्रिया, दिव्या, निशा, पायल, खुशी, प्राची व दुर्विक मौजूद थे।

रेवाड़ी। तीज का पर्व मनाते हुए संस्था के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

किसानों ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को किया नमन

लोहारू। किसान हित की मांगों और करीब 350 करोड़ रुपये के फसल बीमा क्लेम की मांग को लेकर एसडीएम कार्यालय में 12 दिनों से चल रहे किसानों के महापड़ाव के दौरान रविवार को किसानों ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को उनकी पुण्यतिथि पर नमन किया और पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। किसान नेत्री एडवोकेट कविता आर्य ने कहा कि भारतरत्न डॉ. अब्दुल कलाम मिसाइल मैन के नाम से जाने जाते हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समन्वयता को सजीव रूप प्रदान किया था। उनके आदर्श प्रत्येक भारतीय के लिए अनुकरणीय हैं। धरने के 12वें दिन धरने की अध्यक्षता श्रीचंद ओबरा, देवीदयाल पहाड़ी, इंद्राज दमकोरा व नवीन बसीरवास ने की, जबकि धरने का संचालन धर्मपाल बारवास, मास्टर जगरोशन व पृथ्वी सिंह गोठड़ा ने की। धरने पर किसानों ने केंद्र व प्रदेश सरकार को खरी खरी सुनाई तथा कहा कि किसान अपने हकों की लड़ाई लड़ रहा है जब तक उन्हें उनका हक नही मिल जाता।

तीज पर्व पर जमकर उड़ाई गई पतंग, डोर ने काटी बीएसएनएल की केबलें, घंटों बाधित रही इंटरनेट सेवा

ब्रास मार्केट और मॉडल टाउन एरिया की ब्रॉडबैंड सेवा हुई ठप

हरिभूमि न्यूज ⏩ रेवाड़ी

रविवार को तीज पर्व पर लोगों में पतंगबाजी करने की होड़ लगी रही। लोग एक-दूसरे की पतंग काटने में मशगूल रहे, तो पतंग की डोर ने बीएसएनएल की ब्रॉडबैंड सेवा को भी ठप कर दिया। कई जगह ओएफसी कटने के कारण निगम की ब्रॉडबैंड सेवा काफी देर तक बाधित रही। सुबह से ही शहर में पतंगबाजी शुरू हो गई थी। करीब 10 बजे के बाद कई जगह पतंगों के मांझे ने बीएसएनएल की आप्टिकल फाइबर केबलों को काटना शुरू कर दिया। ब्रास मार्केट, बावल रोड व मॉडल टाउन एरिया में केबल कटने के कारण ब्रॉडबैंड सेवा भी ठप हो गई। इससे निगम उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। एक से ज्यादा स्थानों पर केबल कटने के कारण निगम कर्मचारियों को फॉल्ट ढूंढने और केबल ठीक करने में कड़ी मशक्कत का सामना करना पड़ा। दोपहर बाद ही ब्रॉडबैंड सेवा शुरू हो सकी। कुछ इलाकों में फॉल्ट नहीं मिलने के कारण शाम तक सेवा सुचारू नहीं हो सकी थी। बीएसएनल के एक अधिकारी ने बताया कि पतंगों के मांझे ने ओएफसी केबलों को काट दिया है, जिन्हें जोड़कर ब्रॉडसेवा शुरू की जा रही है।

रेवाड़ी। ब्रास मार्केट जहां इंटरनेट सेवा ठप रही। फोटो : हरिभूमि

हवन करके की सम्पूर्ण जगत के कल्याण की कामना

रेवाड़ी। हरियाली तीज के पर्व पर रविवार को सेक्टर-1 के हवन पार्क में सेक्टरवासियों की ओर से हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया। आचार्य रामतीर्थ व सुमन देवी ने विधिवत रूप से हवन सम्पन्न कराया। आरडब्ल्यूए के प्रधान रविन्द्र यादव व पत्नी रचना, राजेश व सुषमा देवी, आरडब्ल्यूए के उपप्रधान प्रवीण अग्रवाल व धर्मपत्नी ने यजमान की भूमिका निभाई। सेक्टरवासियों ने हवन में आहुति डालकर सम्पूर्ण जगत के कल्याण की कामना की व पर्यावरण संरक्षण का आह्वान किया। इस मौके पर हरिकिशन प्रिंसिपल, बलराज, राम अवतार, सुरेश, हर्ष कुमार, आदर्श राजपाल, डा. रामफूल, कमला बोहरा, मुदित बंसल, सरोज, आशा रानी भूटानी, अन्नू , सुधा,सरिता चुग, जान्शी, निलेश, निलाक्षी, घनिष्ठ व हविश सहित अनेक लोगों व बच्चों ने हवन में आहुतियां दी। आरडब्ल्यूए के प्रधान रविन्द्र ने सभी का आभार जताया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

सास ग्रुप में अमिता व बहू ग्रुप में आशा बनी तीज क्वीन

हरिभूमि न्यूज ⏩ रेवाड़ी

दिगंबर जैन महासमिति महिला प्रकोष्ठ की ओर से जैन मंदिर प्रांगण में तीर्थंकरों के मोक्ष कल्याणक व हरियाली तीज मनाई गई। आयोजन में सदस्याओं ने झूले का आनंद लिया और नृत्य किया। अध्यक्ष शारदा जैन ने बताया कि समिति सभी तीर्थंकरों के मोक्ष कल्याणक मना रही हैं। तीर्थंकर नेमिनाथ और पारसनाथ का मोक्ष कल्याणक मनाया गया। हरियाली तीज पर अनेक सांस्कृतिक व धार्मिक प्रतियोगिताओं में विजेता सदस्याओं को पुरस्कृत किया गया। तीज क्वीन के लिए सास ग्रुप में अमिता जैन व बहू ग्रुप में आशा जैन विजेता रहीं। ममता जैन, चमन जैन, कांता जैन ने तीज क्राउन पहनाया। इस मौके पर एकता, मीनू, सुनीता, इंदू, अंतिमा, कीर्ति, सविता, आशा, राधिका, मंजू, रचना, निशा व नीरु ने सावन के भजन गाए और भक्ति नृत्य किया। इस मौके पर सुमनलता, सविता, संतोष, सुचित्रा व कुसुम सहित अनेक महिलाएं मौजूद रही।

रेवाड़ी। जैन मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए दिगंबर जैन महासमिति महिला प्रकोष्ठ के सदस्याएं।

आरटीए ऑफिस के टीएसआई जसबीर को डॉक्टरेट की उपाधि

रेवाड़ी। क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण कार्यालय में यातायात उपनिरीक्षक के तौर पर सेवारत जसबीर सिंह को यूनिवर्सिटी ऑफ क्यूनियो, इटली ने डॉक्टरेट की मानद उपाधि से नवाजा है। नई दिल्ली में रविवार को आयोजित समारोह में जसबीर सिंह को यह उपाधी दी गई। मूल रूप से कुरूक्षेत्र के दामली गांव निवासी जसबीर सिंह सरकारी सेवा के साथ-साथ सामाजिक सरोकार के कार्यों में भी भूमिका निभाते रहे हैं। नशा मुक्ति अभियान से लेकर दूसरे सामाजिक कार्यों में उनकी उल्लेखनीय भूमिका रही है। उनके सामाजिक कार्यों को देखते हुए ही यूनिवर्सिटी ऑफ क्यूनियो, इटली ने उन्हें यह उपाधि प्रदान की है।

स्टाफ के सदस्यों ने दी बधाई : जसबीर सिंह की इस उपलब्धि पर रिटायर्ड एमवीओ द्वारका प्रसाद शर्मा, प्राधिकरण के इंस्पेक्टर बलबीर सिंह, योगेश कुमार, मुकेश कुमार, घनश्याम व अन्य कर्मचारियों ने खुशी जाहिर करते हुए उन्हें बधाई दी है। स्टाफ सदस्यों का कहना है कि जसबीर सिंह एक कुशल सेवक के साथ-साथ समाजसेवी व नेकदिल इंसान भी हैं।

नितेश अग्रवाल बने प्रदेश प्रवक्ता

रेवाड़ी। अग्रवाल वैश्य समाज युवा इकाई की ओर से एडवोकेट नितेश अग्रवाल को प्रदेश प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। समाज के प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला की ओर से ये नियुक्ति की गई है। एडवोकेट नितेश हाल ही में भाजपा जिला के जिला प्रवक्ता के पद पर नियुक्त हुए है तथा वे पिछले कई वर्षो से समाज के साथ जुड़कर समाजिक कार्यो में बढ-चढ कर भाग लेते रहे है। अग्रवाल वैश्य समाज की युवा इकाई में बतौर जिला अध्यक्ष भी कार्य कर चुके है। प्रदेश प्रवक्ता बनाए जाने पर एडवोकेट नितेश ने प्रदेश अध्यक्ष बुवानीवाला व समाज के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया है।

कथावाचन शिव महापुराण की दूसरे दिन आचार्य लखन महाराज ने कहा कि शिव का नाम आशुतोष है

पूजा करने व ध्यान जाप करने से ही शीघ्र प्रसन्न हो जाते भगवान शिव: आचार्य लखन

- शिव की उपासना प्रत्येक भक्त को करनी चाहिए

हरिभूमि न्यूज ⏩ रेवाड़ी

गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में चल रही शिव महापुराण की दूसरे दिन आचार्य लखन महाराज ने कहा कि शिव का नाम आशुतोष है। शिव भगवान शीघ्र प्रसन्न होने वाले देवताओं में है। शिव शंकर पूजा करने व ध्यान जाप करने से शीघ्र ही प्रसन्न हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि शिव की उपासना प्रत्येक भक्त को करनी चाहिए। एक लोटा जल से ही शिव प्रसन्न होने वाले हैं। बेलपत्र और धतूरा फल शिव को प्रिय है। शिव महापुराण कथा के दूसरे दिन आचार्य लखन ने ब्रह्मा एवं विष्णु के युद्ध, भगवान शिव की ओर से अग्नि स्तंभ के रूप में प्राकट्य पर तथा केतकी फूल की कथा सुनाई। कथा के दौरान गायक दिनेश ने शिव के भक्तिमय संगीत की प्रस्तुति दी, जिससे सभी श्रद्धालु झूमने लगे। कथा से पूर्व मंदिर में सवा लाख पार्थिव शिवलिंग बनाकर पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर आधा दर्जन दंपतियों ने सवा लाख शिवलिंग का रुद्राभिषेक किया। 16 पंडितों ने रुद्राभिषेक पूजन-पाठ कराया।

इस अवसर पर राधेश्याम गुप्ता, विजय कुमार गुप्ता, रिपुदमन गुप्ता, रवि गुप्ता, रमेश शर्मा, दीपक शर्मा, कैलाश चंद भारद्वाज, महेंद्र गोयल, शक्ति यादव, राज गर्ग, अनिल किशनानी, पंडित पुजारी प्रकाश मिश्रा व सुनील अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

रेवाड़ी। शिव महापुराण कथा का वाचन करते आचार्य लखन तथा शिव महापुराण कथा में मौजूद श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि